C.B.S.E

विषय : हिन्दी 'ब'

कक्षा : 9

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क,ख,ग,और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
7. पाँच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

खंड - क

[अपठित अंश]

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: [10]

हड़प्पा में पकी मिट्टी की स्त्री मूर्तिकाएँ भारी संख्या में मिली हैं। एकमूर्ति में स्त्री के गर्भ से निकलता एक पौधा दिखाया गया है। विद्वानों के मत में यह पृथ्वी देवी की प्रतिमा है और इसका निकट संबंध पौधों के जन्म और वृद्धि से रहा होगा। इसलिए मालूम होता है कि यहाँ के लोग धरती को उर्वरता की देवी समझते थे और इसकी पूजा उसी तरह करते थे जिस तरह मिस्र के लोग नील नदी की देवी आइसिस् की। लेकिन प्राचीन मिस्र की तरह यहाँ का समाज भी मातृ प्रधान था कि नहीं यह कहना मुश्किल है। कुछ वैदिक सूक्तों में पृथ्वी माता की स्तुति है, धोलावीरा के दुर्ग में एक कुआँ मिला है इसमें नीचे की

तरफ जाती सीढ़ियाँ है और उसमें एक खिड़की थी जहाँ दीपक जलाने के सबूत मिलते है। उस कुएँ में सरस्वती नदी का पानी आता था, तो शायद सिंधु घाटी के लोग उस कुएँ के जरिए सरस्वती की पूजा करते थे।

1. हड़प्पा में किसकी मूर्तिकाएँ भारी संख्या में मिली हैं?

   उत्तर : हड़प्पा में पकी मिट्टी की स्त्री मूर्तिकाएँ भारी संख्या में मिली हैं।

2. हड़प्पा के लोग किसे उर्वरता की देवी समझते थे?

   उत्तर : हड़प्पा के लोग धरती को उर्वरता की देवी समझते थे।

3. हड़प्पा के लोग धरती की पूजा कैसे करते थे?

   उत्तर : हड़प्पा के लोग धरती की पूजा उसी तरह करते थे जिस तरह मिस्र के लोग नील नदी की देवी आइसिस् की।

4. वैदिक सूक्तों में किस की स्तुति है?

   उत्तर : कुछ वैदिक सूक्तों में पृथ्वी माता की स्तुति है।

5. सिंधु घाटी के लोग सरस्वती की पूजा की पूजा कैसे करते थे?

   उत्तर : धोलावीरा के दुर्ग में एक कुआँ मिला है इसमें नीचे की तरफ जाती सीढ़ियाँ है और उसमें एक खिड़की थी जहाँ दीपक जलाने के सबूत मिलते है। उस कुएँ में सरस्वती नदी का पानी आता था, तो शायद सिंधु घाटी के लोग उस कुएँ के जरिये सरस्वती की पूजा करते थे।

6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए।

   उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक 'हड़प्पा' है।

खंड – ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए: [3]

- अनुमान - अ + न् + उ + म् + आ + न् + अ
- अमृत - अ + न् + उ + म् + आ + न् + अ
- विचार - व् + इ + च् + आ + र् + अ

प्र. 3. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर चंद्रबिंदु का प्रयोग कीजिए: [3]

- महगा - महँगा
- गाव - गाँव

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए:

- खुदा - ख़ुदा
- जरा - ज़रा

ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर बिंदु का प्रयोग कीजिए:

- जँगल - जंगल
- कम्पन - कंपन

प्र. 4. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए: [3]

- मनौती - औती
- चढ़ावा - आवा

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानिए:

- दुसाहस - दुस्
- निर्जन - निर्

ग) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए:

- लघुता - लघु + ता
- पुष्पित - पुष्प + इत

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग करें: [3]

1. कल रविवार है छुट्टी का दिन है; आराम मिलेगा

   उत्तर : कल रविवार है; छुट्टी का दिन है; आराम मिलेगा।

2. क्या आप मेरे साथ चलेंगे

   उत्तर : क्या आप मेरे साथ चलेंगे?

3. उदाहरण विज्ञान वरदान या अभिशाप

   उत्तर : उदाहरण : विज्ञान : वरदान या अभिशाप

प्र. 6. निम्नलिखित शब्दों के सही संधि-विच्छेद कीजिए: [4]

- सुरेन्द्र = सुर + इन्द्र
- मतैकता = मत + एकता
- पर्यावरण = परी + आवरण
- नयन = ने + अन

खंड - ग

[पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक]

प्र. 7. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [2+2+2=6]

1. गाँधीजी से मिलने आनेवालों के लिए महादेव भाई क्या करते थे?

   उत्तर : गाँधीजी से मिलने आनेवालों से महादेव जी खुद मिलते थे, उनकी समस्याएँ सुनते, उनकी संक्षिप्त टिप्पणी तैयार करते

और गांधी के सामने पेश करते थे और इसके बाद वे आने वालों के साथ उनकी रूबरू मुलाकात करवाते थे।

2. मनुष्य के जीवन में पोशाक का क्या महत्त्व है?

उत्तर : मनुष्य के जीवन में पोशाक का बहुत महत्त्व है। पोशाकें व्यक्ति के समाज में अधिकार व दर्जा निश्चित करती है। पोशाकें व्यक्ति को ऊँच-नीच की श्रेणी में बाँट देती है। कई बार अच्छी पोशाकें व्यक्ति के भाग्य के बंद दरवाज़े खोल देती हैं। सम्मान दिलाती हैं।

3. रसोई सहायक की मृत्यु कैसे हुई?

उत्तर : प्रतिकूल जलवायु के कारण रसोई सहायक की मृत्यु हो गई थी।

4. हम कीचड़ के रंगों का प्रयोग कहाँ-कहाँ करते हैं?

उत्तर : हम कीचड़ के रंगों का प्रयोग पुस्तकों के गत्तों, दीवारों, कीमती कपड़ों, मिट्टी के बर्तनों, चित्रकारी आदि में करते हैं।

प्र. 7. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [5]

1. उपनेता प्रेमचंद ने किन स्थितियों से अवगत कराया?

उत्तर : उपनेता प्रेमचंद ने अभियान दल के सदस्यों को निम्न स्थितियों से अवगत कराया-

- पहली बड़ी बाधा खुंभु हिमपात की स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने यह भी बताया कि उनके दल ने कैंप- एक (6000 मीटर), जो हिमपात के ठीक ऊपर है, वहाँ तक का रास्ता साफ़ कर दिया।

- यह भी बताया कि पुल बना दिया गया है, रस्सियाँ बाँध दी गई हैं तथा झंडियों से रास्ते को चिह्नित कर दिया गया है।
- बड़ी कठिनाइयों का जायजा ले लिया गया है।
- ग्लेशियर बर्फ़ की नदी है और बर्फ़ का गिरना जारी है। यदि हिमपात अधिक हो गया तो अभी तक किए गए सारे काम व्यर्थ हो सकते हैं। हमें रास्ते खोलने का काम दोबारा भी करना पड़ सकता है।

2. 'संबंधों का संक्रमण के दौर से गुज़रना'- इस पंक्ति से आप क्या समझते हैं? विस्तार से लिखिए।

उत्तर : 'संबंधों का संक्रमण के दौर से गुज़रना'- इस पंक्ति का आशय है संबंधों में परिवर्तन आना। जो संबंध आत्मीयतापूर्ण थे अब घृणा और तिरस्कार में बदलने लगे। जब लेखक के घर अतिथि आया था तो उसके संबंध सौहार्द पूर्ण थे। उसने उसका स्वागत प्रसन्नता पूर्वक किया था। लेखक ने अपनी ढ़ीली-ढ़ाली आर्थिक स्थिति के बाद भी उसे शानदार डिनर खिलाया और सिनेमा दिखाया। लेकिन अतिथि चार पाँच दिन रुक गया तो स्थिति में बदलाव आने लगा और संबंध बदलने लगे। मधुर संबंध कटुता में परिवर्तित हो गए। सत्कार की ऊष्मा समाप्त हो गई। डिनर से खिचड़ी तक पहुँचकर अतिथि के जाने का चरम क्षण समीप आ गया था।

प्र. 8. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए। [2+2+2=6]

1. सुखिया के पिता पर कौन-सा आरोप लगाकर दण्डित किया गया?

उत्तर : सुखिया के पिता पर मंदिर की चिरकालिक शुचिता को कलुषित करने तथा देवी का अपमान करने का आरोप लगाया गया और इस आरोप के अंतर्गत सुखिया के पिता को न्यायालय ले जाया गया और वहाँ न्यायधीश द्वारा सात दिनों के कारावास की सजा सुनाई गई।

2. कवि ने यह क्यों कहा है कि 'खुशबू रचते हैं हाथ'?

उत्तर : कवि ने ऐसा इसलिए कहा कि गंदगी में जीवन व्यतीत करनेवाले लोगों के हाथ खुशबूदार पदार्थों की रचना करते हैं। क्योंकि ये लोग स्वयं बदहाली और विषम परिस्थितियों में अपना जीवन बिताते हैं परन्तु दूसरों का जीवन खुशहाल बनाते हैं। यहाँ पर कवि श्रमिकों की प्रशंसा नहीं करना चाहता है बल्कि वह यह कहना चाहता है कि हमें उनकी दशा सुधारने की बात सोचनी चाहिए। हमें भी अपना नैतिक कर्तव्य समझकर ऐसे मजदूर वर्ग के लिए कार्य करना चाहिए।

3. दूसरे पद की 'जाकी छोति जगत कउ लागै ता पर तुहीं ढरै' इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : इस पंक्ति का आशय यह है कि गरीब और निम्नवर्ग के लोगों को समाज सम्मान नहीं देता। उनसे दूर रहता है। परन्तु ईश्वर कोई भेदभाव न करके उन पर दया करते हैं, उनकी सहायता करते हैं, उनकी पीड़ा हरते हैं।

4. कवि ‘अग्नि पथ’ कविता में मनुष्य को कौन-सी शपथ और क्यों दिलाना चाहता है?

उत्तर : कवि मनुष्य को संघर्षमय जीवन में आनेवाली कठिनाइयों से न थकने, थमने और मुड़ने की शपथ दिलाना चाहता है। कवि ऐसी शपथ इसलिए दिलाना चाहता है क्योंकि संघर्ष रूपी रास्ते में व्यक्ति के आगे अनगिनत कठिनाइयाँ आती है ऐसे यदि वह थककर, थमकर बैठ जाएगा तो अपने लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाएगा।

प्र. 8. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। [5]

1. कवि ने ‘नए इलाके’ कविता में 'समय की कमी' की ओर क्यों इशारा किया है?

उत्तर : इस कविता में समय की कमी की ओर इशारा इसलिए किया है क्योंकि जिस प्रकार से समय तेजी से बदलता जा रहा है, तो उसके साथ तालमेल बिठाने के लिए लोगों का व्यवहार भी उसी रफ़्तार से बदल रहा है। हर कोई यहाँ प्रगति की दौड़ में अंधाधुंध भाग रहा है। अत: आज सभी के पास समय का अभाव है।

2. रहीम मन की व्यथा को छिपाने के लिए क्यों कहते हैं?

उत्तर : लोगों को अपने व्यथा बताने से वे केवल हमारी व्यथा का मजाक उड़ाते हैं। किसी को भी हमारी व्यथा से कोई लेना-देना नहीं होता है। कोई भी आपकी व्यथा को बाँटना नहीं चाहेगा उलटे लोगों व्यवहार हमारे प्रति उपहासपूर्ण और दुख को और बढ़ानेवाला हो जाता है। इसलिए कवि मन की व्यथा को छिपाने के लिए कहते हैं।

प्र. 9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [6]

1. 'काश मैं आपके मुल्क में आकर यह सब अपनी आँखों से देख सकता।' - हामिद ने ऐसा क्यों कहा?

   उत्तर : हामिद खाँ को पता चला कि लेखक हिंदू है तो हामिद ने पूछा - क्या वह मुसलमानी होटल में खाएँगे। तब लेखक ने बताया कि हिंदुस्तान में हिंदू-मुसलमान में कोई भेद नहीं होता है। अच्छा पुलाव खाने के लिए वे मुसलमानी होटल में ही जाते हैं।
   लेखक ने हामिद खाँ को बताया भारत में हिंदू-मुसलमान मिलकर रहते हैं। पहला मस्जिद कोडुंगल्लूर हिंदुस्तान में ही बना। वहाँ हिंदू-मुसलमानों के बीच दंगे नहीं के बराबर होते हैं। हामिद को एकदम विश्वास नहीं हुआ लेकिन लेखक के कहने में उसे सच्चाई नज़र आई। वह ऐसी जगह को स्वयं देखकर तसल्ली करना चाहते थे।

2. गांधीजी किस बात पर क्षुब्ध थे?

   उत्तर : दांडी कूच की तैयारी के सिलसिले में वल्लभभाई पटेल सात मार्च को रास पहुँचे थे। वहाँ उन्हें वहाँ भाषण नहीं देना था लेकिन वल्लभभाई पटेल को लोगों के आग्रह पर भाषण देना स्वीकार किया। जैसे ही उन्होंने भाषण देना स्वीकार किया वैसे ही कलेक्टर ने निषेधाज्ञा लागू कर दी और वल्लभभाई पटेल को गिरफ़्तार कर दिया। जज ने उन्हें 500 रुपयों का जुर्माना और तीन महीने की जेल की सजा सुनाई। इस बात पर गांधीजी क्षुब्ध थे।

खंड - घ

[लेखन]

प्र. 10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। [6]

नर हो न निराश करो मन को

जीवन में सफलता-असफलता, हानि-लाभ, जय-पराजय के अवसर मौसम के समान है, कभी कुछ स्थिर नहीं रहता। मनुष्य के जीवन में पल-पल परिस्थितियाँ बदलती रहती है। जीवन में कई बार असफलता का सामना करना पड़ता है। असफलता में निराश होने की बजाए उत्साह से कार्य किए जाए तो असफलता को भी सफलता में बदला जा सकता है। अब्राहम लिंकन भी अपने जीवन में कई बार असफल हुए और अवसाद में भी गए, किंतु उनके साहस और सहनशीलता के गुण ने उन्हें सर्वश्रेष्ठ सफलता दिलाई। आशावान व्यक्ति के आगे भाग्य भी घूटने टेक देता है।
लहरों के डर से नौका पार नही होती, कोशिश करने वालों की हार नही होती।''

इंटरनेट की दुनिया

विज्ञान के अद्भूत चमत्कारों में से एक कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा है। इस युग की रीढ़ की हड्डी है इंटरनेट। इंटरनेट की सुविधा ने ज्ञान के क्षेत्र में अद्भूत क्रांति ला दी है। हर विषय पर जानकारी प्राप्त करना आसान हो गया है। आज इंटरनेट ने दुनिया को जोड़ने का कार्य किया है। लोग मेल के माध्यम से अपने राज्य या देश से अन्य राज्य या देश में स्थिति कार्यालय से संपर्क स्थापित कर सकते हैं। इससे आने जाने में समय नष्ट नहीं होता और कार्य सुचारू रूप से चलता रहता है। आज इंटरनेट पर देश-विदेश की जानकारी, खेल, मौसम,.फिल्म, विवाह करवाने, नौकरी करने, टिकट बुकिंग, खरीदारी सबकुछ बड़ी सहजता से संभव हो जाता है। बैंको,

बिल, सूचना संबंधी आवश्यकताओं के लिए लोगों को लंबी कतार में खड़े होने की आवश्यकता नहीं रही है। सब कंप्यूटर के माध्यम से किया जा सकता है। विज्ञान की तरह इंटरनेट वरदान भी है और अभिशाप भी। इसका दुरुपयोग भी होता है - वाइरस, अश्लील तस्वीरे भेजना, बेंक में से पैसे निकाल लेना आदि। सबको इंटरनेट के साथ-साथ उसका उचित उपयोग करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

प्र. 11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में पत्र लेखन कीजिए। [5]

1. छात्रावास में रहने वाली अपनी छोटी बहन को फैशन की ओर अधिक रुझान न रख, ध्यानपूर्वक पढ़ाई करने की सीख देते हुए पत्र लिखिए।

बी/3,

आदर्श नगर,

दिल्ली।

दिनाँक: 5 अगस्त 20xx

प्रिय बहन हेमा,

तुम्हारा पत्र मिला पढ़कर बहुत दुख हुआ कि तुम्हे इस परीक्षा में केवल 60 अंक मिले है। माँ बता रही थी कि तुम्हारा ध्यान फैशन में बहुत ज्यादा लगा रहता है। मैं फैशन के खिलाफ नहीं परंतु अगर वह आपकी पढ़ाई और भविष्य के बीच में आए तो, अवश्य हूँ।

मैं पुरातन-पंथी नहीं हूँ और न ही पुराने विचारों का समर्थन करती हूँ। यदि हमारा कोई रुझान बहुमूल्य समय को खा जाए और निर्धारित खर्च को बढ़ावा दे, तो उसे छोड़ देने में ही हमारी भलाई है। अत्यधिक फैशन की होड़ चारित्रिक पतन का कारण बन जाती है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि तुम पढ़ाई का मूल्य समझोगी। माता जी और पिता जी को मेरा प्रणाम कहना।

तुम्हारी बहन

अनुजा

2. अपने मुहल्ले में बढ़ती गंदगी के बारे में शिकायत करते हुए स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए:

संगीता खरे

45, शिवनेरी

शाहूनगर, खासबाग मैदान

कोल्हापुर

दिनाँक: 10 जुलाई 20xx

सेवा में,

स्वास्थ्य अधिकारी

नगर परिषद

कोल्हापुर

विषय : मुहल्ले में बढ़ती गंदगी के बारे में शिकायती पत्र।

माननीय महोदय,

सविनय निवेदन है कि पिछले एक सप्ताह से हमारे मोहल्ले में कूड़ा उठाने वाली गाड़ी नहीं आई है, जिसके कारण सर्वत्र कूड़े के ढेर फैले हुए हैं। भयंकर गंदगी चारों ओर फैली हुई है और दुर्गन्ध के मारे साँस लेना भी दूभर हो गया है, साथ ही मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया है। बरसात के कारण तो स्थिति और भी बुरी हो गई है सारा कूड़ा सड़क तक फ़ैल चूका है।

अतः आपसे निवेदन है कि जितनी जल्दी हो सके हमें इस गंदगी से छुटकारा दिलाएँ।

धन्यवाद

भवदीय

संगीता खरे

प्र. 12. निम्नलिखित चित्रों में से किसी एक चित्र का वर्णन 40 से 50 शब्दों में करें। [5]

1.

उपर्युक्त चित्र जनसंख्या विस्फोट से संबंधित है। चित्र में हमें लोग ही लोग दिखाई दे रहे हैं। यहाँ पर धरती लोगों के बोझ तले दब गई है और रो रही है। ये चित्र हमें आने वाले खतरे की ओर संकेत कर रहा है कि यदि इसी तरह जनसंख्या में वृद्धि होती गई तो लोगों की आने वाले दिनों में अनेकों कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा।

बढ़ती हुई जनसँख्या हमारे देश में एक विकराल रूप लेती जा रही है। किसी जी देश की जनसंख्या यदि उस देश के संसाधनों की तुलना में अधिक हो जाती है तो वह देश पर अनचाहा बोझ बन जाती है। जनसंख्या बढ़ने से जीवन की प्राथमिक आवश्यकताएँ - भोजन, वस्त्र और मकान भी पूरे नहीं पड़ते।

बढ़ती हुई जनसँख्या किस तरह से संसाधनों को निगलती जा रही है इसका सबसे बड़ा उदाहरण है बढ़ती हुई महँगाई। बढ़ती जनता को रोजगार देने के लिए, जंगलों को खत्म करने के बाद बढ़ता औद्योगिकरण औद्योगिककरण अब हमारे गाँव में पैर पसार रहा है! फलस्वरूप कंपनियों की फैक्ट्रियों अब

गाँव की शुद्ध जलवायु में जहर घोल रही है वहाँ की उपजाऊ जमीन पर बसी फैक्ट्री अब गेहूँ के दाने नहीं वो काँच के गोलियाँ पैदा कर रही है! आबादी बढ़ने से स्थिति और भी अधिक भयावह हो जाएगी, तब जलापूर्ति, आवास, परिवहन, गंदे पानी का निकास, बेरोजगारी का अतिरिक्त भार, महँगाई, बिजली जैसी आधारभूत संरचना पर अत्यधिक दबाव पड़ता नजर आएगा। सरकार को चाहिए कि वो कुछ गंभीर और सख्त नियम बनाए। जिससे जनसंख्या नियंत्रित की जा सके। आज जनसंख्या के मामले मे राष्ट्र को सही शिक्षा देने की सबसे ज्यादा जरूरत है क्योंकि शिक्षा, राष्ट्र की सबसे सस्ती सुरक्षा मानी जाती रही है। जन जागरण अभियान, पुरुष नसबंदी, गर्भ निरोधक गोलियाँ, देर से विवाह जनसंख्या को रोकने के उपाय है।

2.

उपर्युक्त चित्र छोटा परिवार सुखी परिवार से संबंधित है। इस चित्र में दो परिवारों को दिखाया गया है। पहला परिवार जिसमें छह बच्चे और माता-पिता दिखाई दे रहे हैं। उन्हें देखकर ऐसा लगता है मानो उन्हें पेट भर खाना भी नसीब नहीं होता और न ही पहनने के लिए कपड़े। घर भी उनका टूटा-फूटा है। दूसरे चित्र में हमें छोटा और सुखी परिवार नजर आ

रहा है। सभी ने सुंदर और अच्छे कपड़े पहन रखे हैं। उनका घर भी सुंदर और साफ सुथरा नजर आ रहा है। यह चित्र हमें यह संदेश दे रहा है कि यदि आप चाहते हैं कि आप का परिवार सुखी और संपन्न रहे तो अपने परिवार में बच्चों की संख्या को सीमित रखें।

प्र. 13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 50-60 शब्दों में संवाद लिखें। [5]

1. बढ़ते हुए महिला अपराध के संदर्भ में दो महिलाओं के मध्य बातचीत लिखिए:

हेमा : अरे! प्रेमा आज बहुत दिनों बाद दिखाईं दीं? कहाँ थीं?

प्रेमा : माताजी के साथ एक दुर्घटना हो गई थी इसलिए इधर आना नहीं हुआ।

हेमा : ओह! क्या हो गया था?

प्रेमा : किसी बदमाश ने राह चलते गले की चेन खींच ली जिसके कारण माताजी के गले पर चोट लग गई।

हेमा : ओह! यह तो बहुत बुरा हुआ। आजकल दिनदहाड़ें ऐसी वारदातें बहुत होने लगी हैं। लगता है जैसे पुलिस और कानून का डर ही नहीं रहा है।

प्रेमा : हाँ। यदि पुलिस-विभाग अपनी जिम्मेदारी सही तरह से निबाहे तो बदमाशों की हिम्मत न हो।

हेमा : सबसे बुरी बात तो यह है कि जहाँ कुछ ऐसा बुरा घटित होता है वहाँ आस-पास मौजूद लोग भी तमाशबीन बन जाते है।

प्रेमा : तुम सही कह रही हो। लोगों को अपने जिम्मेदार नागरिक होने का कर्तव्य निबाहना चाहिए।

हेमा : क्या बदमाश पकड़ा गया?

प्रेमा : नहीं। किसी की हिम्मत नहीं हुई। वह मोटरसाइकिल पर था, झपट्टा मारकर तेजी से भाग गया।

हेमा : ओह! तुम अपनी माताजी का ध्यान रखो। मुझसे कोई भी सहायता चाहो तो बताना। माताजी को मेरा प्रणाम कहना।

प्रेमा : अवश्य। फिर मिलेंगे। नमस्कार!

हेमा : नमस्कार!

2. रोगी और वैद्य के मध्य होने वाली बातचीत को लिखिए।

रोगी : वैद्यजी, नमस्कार!

वैद्य : नमस्कार! आइए, पधारिए! कहिए, क्या हाल है ?

रोगी : पहले से बहुत अच्छा हूँ। बुखार उतर गया है, केवल खाँसी रह गयी है।

वैद्य : घबराइए नहीं। खाँसी भी दूर हो जायेगी। आज दूसरी दवा देता हूँ। आप जल्द अच्छे हो जायेंगे।

रोगी : आप ठीक कहते हैं। शरीर दुबला हो गया है। चला भी नहीं जाता और बिस्तर पर पड़े-पड़े तंग आ गया हूँ।

वैद्य : चिंता की कोई बात नहीं। सुख-दुःख तो लगे ही रहते हैं। कुछ दिन और आराम कीजिए। सब ठीक हो जायेगा।

रोगी : कृपया खाने को बतायें। अब तो थोड़ी-थोड़ी भूख भी लगती है।

वैद्य : फल खूब खाइए। जरा खट्टे फलों से परहेज रखिए, इनसे खाँसी बढ़ जाती है। दूध, खिचड़ी और मूँग की दाल आप खा सकते हैं।

रोगी : बहुत अच्छा! आजकल गर्मी का मौसम है; प्यास बहुत लगती है। क्या शरबत पी सकता हूँ?

वैद्य : शरबत के स्थान पर दूध अच्छा रहेगा। पानी भी आपको अधिक पीना चाहिए।

रोगी : अच्छा, धन्यवाद! कल फिर आऊँगा।

वैद्य : अच्छा, नमस्कार।

प्र. 14. निम्नलिखित विज्ञापनों में से किसी एक विज्ञापन का आलेख 50 शब्दों में तैयार कीजिए। [5]

1. स्कूल ड्रेस के विक्रेता द्वारा दिया जानेवाले विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए :

स्कूल ड्रेस सेल

आइए और पाइए स्कूल ड्रेस किफायती दामों में

दिनांक : 1 से 10 अप्रैल

रत्ना बाजार

दुकान नंबर -5

नई दिल्ली

2. मोबाइल के विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए:

टी 20 मोबाइल

आज की तकनीक की ,

आज की युवा पीढ़ी की माँग ,

है टी 20 मोबाइल